School of Economics

Class – M.A. (IV)th Sem. CBCS

Sub. – Indian Economy

Unit – Vth Sem.

Topic – Economic Planning

~~Clas~~ Teacher – Dr. Dharmendra Singh

3 भारत में नियोजन—उद्देश्य, प्रकार, व्यूह-रचना, उपलब्धियाँ एवं असफलताएँ

[PLANNING IN INDIA—OBJECTIVES, TYPES, STRATEGIES, ACHIVEMENTS AND FAILURES]

सन् 1947 में जब भारत आजाद हुआ तो हमें एक क्षत-विक्षत (Shattered) अर्थव्यवस्था मिली जिसमें एक **पिछड़ी अर्थव्यवस्था** की सभी विशेषताएँ मौजूद थीं। आर्थिक और सामाजिक पिछड़ेपन के इस वातावरण में देश के आर्थिक विकास के लिए निम्नलिखित में से किसी **एक प्रकार की रणनीति या व्यूह रचना** (Strategy) को अपनाया जा सकता था। **रणनीति से आशय किसी समस्या का समाधान करने के लिए उपलब्ध विभिन्न विधियों में से सोच-समझकर चयन करने** से है।

1. **स्वतन्त्र बाजार विकास रणनीति** (Free Market Development Strategy)—इस रणनीति में आर्थिक विकास की प्रक्रिया माँग व पूर्ति की शक्तियों के आधार पर **निजी क्षेत्र** द्वारा संचालित की जाती है अर्थात् **कीमत तन्त्र** (Price Mechanism) ही सभी आर्थिक समस्याओं का समाधान करता है। सरकार आर्थिक क्रियाओं में बहुत कम हस्तक्षेप करती है।

2. **योजनाबद्ध विकास रणनीति** (Planned Development Strategy)—इस रणनीति में सरकार देश के आर्थिक व सामाजिक विकास में न केवल मार्गदर्शक बनती है बल्कि विकास व संवृद्धि की प्रक्रिया में प्रत्यक्ष रूप से भागीदार होती है। अतः सन् 1991 से पूर्व तक भारत में आर्थिक विकास की योजनाबद्ध रणनीति अपनायी गई। यद्यपि **भारतीय संविधान** निजी पूँजी के स्वामित्व तथा **संचय एवं बाजार शक्तियों की अन्तर्क्रिया** की अनुमति देता है।[1]

आर्थिक नियोजन अथवा विकास योजना का अर्थ
(MEANING OF ECONOMIC PLANNING OR DEVELOPMENT PLANNING)

अर्थ (Meaning)—आर्थिक नियोजन का अर्थ प्रमुख आर्थिक निर्णय करना है जिससे सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था की गहन जाँच-पड़ताल के आधार पर एक निर्धारक सत्ता यह निर्णय करती है कि क्या और कितना उत्पादन करना है तथा उनका बँटवारा किस प्रकार किया जाय ? वस्तुतः यह आगतों के आदर्श संयोग प्राप्त करने की एक विवेकपूर्ण विधि है। इसकी सहायता से पूँजी-निर्माण की ऊँची दर को प्राप्त किया जा सकता है। इसी कारण आर्थिक विकास की दर को तीव्र बनाने के लिए आर्थिक नियोजन तकनीक का प्रयोग किया जाता है।

आर्थिक नियोजन की परिभाषाएँ (Definitions of Economic Planning)—आर्थिक नियोजन की परिभाषाओं के सम्बन्ध में अर्थशास्त्रियों में मतैक्य नहीं है। कुछ विद्वानों ने वितरण, उत्पादन तथा संगठन के व्यक्तिगत नियोजन को आर्थिक नियोजन में सम्मिलित किया है और कुछ

---

1. **संविधान ने सरकार को अन्य बातों के अलावा निम्न को ध्यान में रखकर नीतियाँ बनाने का अधिकार दिया है—**
(अ) समुदाय के भौतिक संसाधनों के स्वामित्व व नियन्त्रण का बँटवारा जन-कल्याण को ध्यान में रखकर किया जाए
(ब) आर्थिक प्रणाली का संचालन इस प्रकार से किया जाए ताकि उत्पादन के संसाधनों का केन्द्रीयकरण नहीं हो
संविधान के प्रख्यान से 50 दिनों के भीतर ही भारत सरकार ने योजना आयोग की स्थापना कर दी थी।

...ने आर्थिक नियोजन का तात्पर्य समाजवाद से लिया है। अतः यहाँ पर हम आर्थिक नियोजन ...आर्थिक प्रचलित परिभाषाओं का अध्ययन करेंगे जो निम्नलिखित है—

(1) **एच. लेवी** (H. Levy) के शब्दों में, "आर्थिक नियोजन का तात्पर्य उत्पादन अथवा ...दोनों पर विवेकपूर्ण नियन्त्रण रखकर माँग और पूर्ति में सन्तुलन रखना है।"[1]

(2) **श्रीमती बारबरा वूटन** (Mrs. Barbara Wooton) के अनुसार, "नियोजन का तात्पर्य ...प्रणाली से है जिससे बाजार को स्वेच्छापूर्वक कार्य करने के लिए न छोड़कर, इस प्रकार संगठित ...जाता है कि वह एक ऐसा आदर्श उत्पन्न करे जो स्वेच्छापूर्वक छोड़ देने से नहीं कर सकता था।"[2]

(3) **प्रो. हेयक** (Hayek) ने लिखा है, "आर्थिक नियोजन का अर्थ एक केन्द्रीय सत्ता द्वारा ...क्रियाओं का निर्देशन है।"[3]

(4) **भारतीय योजना आयोग** (Indian Planning Commission) ने नियोजन की परिभाषा ...प्रकार दी है, "नियोजन अनिवार्य रूप से परिभाषित सामाजिक लक्ष्यों के अनुसार विभिन्न साधनों ...अधिकतम सामाजिक लाभ के लिए संगठित और उपयोग करने की एक प्रणाली है। नियोजन ...अवधारणा के प्रमुख दो अंग हैं— (i) लक्ष्यों के लिए अपनाई गई पद्धतियाँ। (ii) उपलब्ध ...साधनों और अनुकूलतम आबंटन के सम्बन्ध में ज्ञान।"[4]

रॉबिन्स ने आर्थिक नियोजन की निम्न परिभाषा दी है, "आर्थिक नियोजन हम लोगों के युग ...अचूक औषधि है। कल्याणकारी राज्यों के आदर्शों को प्राप्त करने का एकमात्र साधन आर्थिक ...नियोजन ही है।"

निष्कर्ष रूप में हम कह सकते हैं कि—**"नियोजन एक निश्चित समय में सुनिश्चित एवं ...परिभाषित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आर्थिक शक्तियों का विवेकपूर्ण ढंग से समन्वय एवं ...नियन्त्रण करने हेतु आर्थिक संगठन की एक प्रणाली है।"**

विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं के प्रमुख लक्ष्य व उद्देश्य
(MAJOR AIMS AND OBJECTIVES OF ECONOMIC DEVELOPMENT UNDER DIFFERENT FIVE YEAR PLANS)

निश्चित लक्ष्यों (या उद्देश्यों) को सम्मुख रखते हुए भारत में नियोजन के कार्यक्रम को आरम्भ ...किया गया था। मोटे तौर पर इन्हें दो भागों में बाँटा गया है—I. अल्पकालीन एवं II. दीर्घकालीन ...लक्ष्यों (या उद्देश्यों)

I. भारतीय नियोजन के अल्पकालीन उद्देश्य
(SHORT OBJECTIVES OF INDIAN PLANNING)

भारतीय नियोजन के अल्पकालीन उद्देश्य देश की बदलती आवश्यकताओं के समाज की ...माँग के अनुसार प्रत्येक योजना के साथ-साथ बदलते रहते हैं विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं के मुख्य ...उद्देश्यों की विवेचना निम्नवत् की जा रही है—

पहली पंचवर्षीय योजना (First Five Year Plan)

(1) **अवधि** (Period)—1 अप्रैल, 1951 से 31 मार्च, 1956 तक।

(2) **सैद्धान्तिक मॉडल** (Theoretical Model)—**हेरॉड-डोमर** मॉडल के परिवर्द्धित मॉडल ...पर आधारित।

---

1. "Economic Planning means securing a better balance between demand and supply by conscious and thoughful control either of production or distribution." —*H. Levy*
2. "Economic Planning is a system in which the market mechanism is deliberately manipulated with the object of producing a pattern other than that which would have resulted from its spontaneous activity." —*Mrs. Barbara Wooton*
3. "The direction of productive activity by a central authority is called economic planning." —*Prof. Hayek*
4. "Planning is essentially a way of organising and utilising resources to the maximum advantages in terms of defined social ends. The two main constituents of concept of planning are : (i) system of ends to be pursued and (ii) knowledge as to available resources and their optimum allocation." —Planning Commission : *Draft Outline of the First Five Year Plan.*

(3) **प्रमुख उद्देश्य** (Main Objectives)—**कृषि क्षेत्र का विकास करना।**

(4) **अन्य उद्देश्य** (Other Objectives)—(i) शरणार्थियों का पुनर्वास करना। (ii) द्वितीय विश्वयुद्ध और विभाजन से क्षतिग्रस्त अर्थव्यवस्था का पुनरुत्थान करना। (iii) खाद्य समस्याओं का समाधान करना। (iv) मुद्रा-स्फीति का नियन्त्रण करना। (v) लघु व कुटीर उद्योगों का पुनरुद्धार और औद्योगीकरण की पृष्ठभूमि तैयार करना।

दूसरी पंचवर्षीय योजना (Second Five Year Plan)

(1) **अवधि** (Period)—1 अप्रैल, 1956 से 31 मार्च, 1961 तक।

(2) **सैद्धान्तिक मॉडल** (Theoretical Model)—**पी.सी. महालनोबिस** के असन्तुलित विकास के मॉडल पर आधारित (आगत-निर्गत विकास मॉडल)।

(3) **प्रमुख उद्देश्य** (Main Objectives)—**तीव्र औद्योगीकरण करना।**

(4) **अन्य उद्देश्य** (Other Objectives)—(i) राष्ट्रीय आय में पर्याप्त वृद्धि करना। (ii) तीव्र औद्योगीकरण जिसमें आधारभूत व भारी उद्योगों पर विशेष बल देना। (iii) आय व सम्पत्ति की असमानता को कम करना। (iv) आर्थिक विकास का समान वितरण करना। (v) रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना।

तीसरी पंचवर्षीय योजना (Third Five Year Plan)

(1) **अवधि** (Period)—1 अप्रैल, 1961 से 31 मार्च, 1966 तक।

(2) **सैद्धान्तिक मॉडल** (Theoretical Model)—**जॉन सैण्डी एस. चक्रवर्ती** के मॉडल पर आधारित।

(3) **प्रमुख उद्देश्य** (Main Objectives)—**अर्थव्यवस्था को स्वावलम्बी व स्वस्फूर्त बनाना।**

(4) **अन्य उद्देश्य** (Other Objectives)—(i) कृषि क्षेत्र का विकास करना। (ii) खाद्यान्नों के क्षेत्र में आत्म-निर्भरता प्राप्त करना। (iii) कृषि व उद्योगों का समन्वित विकास करना। (iv) द्रुत औद्योगीकरण के लिए आधारभूत उद्योगों का तीव्र गति से विकास करना। (v) अवसर की समानता सुनिश्चित करना। (iv) आय व सम्पत्ति की असमानता में कमी करना। (v) रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना।

तीन वार्षिक योजनाएँ (Three Annual Plans)

(1) **अवधि** (Period)—1 अप्रैल, 1966 से 31 मार्च, 1969 तक।

(2) **उद्देश्य** (Objectives)—(i) युद्ध से उत्पन्न स्थितियों का निराकरण करना। (ii) खाद्यान्न संकट का समाधान करना। (iii) मुद्रा-स्फीति पर नियन्त्रण करना। (iv) चौथी योजना के लिए आधार तैयार करना।

चौथी पंचवर्षीय योजना (Fourth Five Year Plan)

(1) **अवधि** (Period)—1 अप्रैल, 1969 से 31 मार्च, 1974 तक।

(2) **सैद्धान्तिक मॉडल** (Theoretical Model)—**एलन एस. मान्ने और अशोक रुद्र मॉडल।**

(3) **प्रमुख उद्देश्य** (Main Objectives)—**स्थिरता के साथ आर्थिक विकास और आत्म-निर्भरता की प्राप्ति करना।**

(4) **अन्य उद्देश्य** (Other Objectives)—(i) कृषि और उद्योग के क्षेत्र में उत्तरोत्तर आत्म-निर्भरता प्राप्त करना। (ii) न्यायपूर्ण विकास करना। (iii) अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों का सन्तुलित विकास करना। (iv) द्रुत गति से औद्योगिक विकास जिसमें आधारभूत और भारी उद्योगों पर विशेष बल देना। (v) आय व सम्पत्ति की असमानता में कमी करना। (vi) रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना। (vii) राष्ट्रीय आय में तीव्र वृद्धि करना।

पाँचवीं पंचवर्षीय योजना (Fifth Five Year Plan)

(1) **अवधि** (Period)—1 अप्रैल, 1974 से 31 मार्च, 1978 तक।

पाँचवीं पंचवर्षीय योजना को जनता पार्टी की सरकार द्वारा अपने निर्धारित समय से एक वर्ष पूर्व समाप्त घोषित करके छठी योजना (1978-83) लागू की गयी जिसे अनवरत योजना (Rolling Plan) का नाम दिया गया था।

(2) **सैद्धान्तिक मॉडल** (Theoretical Model)—**योजना आयोग के दृष्टि योजना विभाग तैयार प्रारूप पर आधारित जिसमें तीन मॉडलों को शामिल किया गया था—**

(अ) समाविष्ट भावी मॉडल,

(ब) आयात-निर्यात मॉडल,

(स) उपयोग के मॉडल।

(3) **प्रमुख उद्देश्य** (Main Objectives)—**गरीबी निवारण व आत्म-निर्भरता प्राप्त करना।**

(4) **अन्य उद्देश्य** (Other Objectives)—(i) रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना। (ii) न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम को क्रियान्वित करना। (iii) कृषि, आधारभूत एवं मूल उद्योगों पर विशेष बल देना। (iv) उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन पर बल देना। (v) आर्थिक, सामाजिक तथा क्षेत्रीय असमानता को कम करना। (vi) आयात प्रतिस्थापन और निर्यात प्रोत्साहन की नीति अपनाना। (vii) खाद्यान्नों का वितरण तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली का विस्तार।

छठी पंचवर्षीय योजना (Sixth Five Year Plan)

(1) **अवधि** (Period)—1 अप्रैल, 1980 से 31 मार्च, 1985 तक।

(2) **सैद्धान्तिक मॉडल** (Theoretical Model)—**कई विकास युक्तियों को ध्यान में रखते हुए संरचनात्मक परिवर्तन एवं संवृद्धि पर बल।**

(3) **प्रमुख उद्देश्य** (Main Objectives)—**रोजगार सृजन।**

(4) **अन्य उद्देश्य** (Other Objectives)—(i) आर्थिक संवृद्धि-दर में पर्याप्त वृद्धि करना। (ii) आर्थिक व तकनीकी आत्म-निर्भरता के उद्देश्य से आधुनिकीकरण पर बल दिया गया। (iii) गरीबी और बेरोजगारी में कमी करना। (iv) ऊर्जा क्षेत्र में तीव्र विकास जिसमें घरेलू संसाधनों के उपयोग पर बल दिया गया। (v) न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के विस्तार द्वारा सामान्य जीवन-स्तर में सुधार करना। (vi) आय व सम्पत्ति की असमानता में कमी करना। (vii) पर्यावरण संरक्षण करना। (viii) क्षेत्रीय असमानता में क्रमिक कमी करना। (ix) संचार व संस्थागत नीतियाँ।

सातवीं पंचवर्षीय योजना (Seventh Five Year Plan)

(1) **अवधि** (Period)—1 अप्रैल, 1985 से 31 मार्च, 1990 तक।

(2) **सैद्धान्तिक मॉडल** (Theoretical Model)—**'दीर्घकालीन विकास युक्तियों' पर जोर देते हुए उदारीकरण की ओर अग्रसर।**

(3) **प्रमुख उद्देश्य** (Main Objectives)—**अर्थव्यवस्था का आधुनिकीकरण करना।**

(4) **अन्य उद्देश्य** (Other Objectives)—(i) समानता और सामाजिक न्याय पर आधारित व्यवस्था की स्थापना करना। (ii) खाद्यान्न के उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि करना। (iii) मुद्रा-स्फीति की दर में नियन्त्रण रखते हुए रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना। (iv) आधारभूत उद्योग क्षेत्र में वृद्धि और स्थापित क्षमता का पूर्ण प्रयोग करना। (v) कृषि और उद्योग के क्षेत्र में घरेलू तकनीकी का विकास करना। (vi) मानव संसाधन विकास करना। (vii) ऊर्जा संरक्षण और गैर-पराम्परागत ऊर्जा स्रोतों का विकास करना। (vii) पर्यावरण और परिवेश की रक्षा करना। (ix) जनसंख्या वृद्धि-दर में कमी करना। (x) सामाजिक उपभोग (शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आवास आदि) का ऊँचा स्तर प्राप्त करना। (xi) गरीबी और बेरोजगारी उन्मूलन के कार्यक्रमों पर विशेष बल देना।

आठवीं पंचवर्षीय योजना (Eighth Five Year Plan)

(1) **अवधि** (Period)—1 अप्रैल, 1992 से 31 मार्च, 1997 तक।

(2) **सैद्धान्तिक मॉडल** (Theoretical Model)—**उदारीकृत अर्थव्यवस्था के रूप में परिणित 'जॉन डब्ल्यू. मिलर मॉडल' पर आधारित।**